

# 4 रूटों में दौड़ेंगी सीएसटीसी की मिनी बसें

- पहले केज में 10 मिनी बसें चलेगी
- इन मिनी बसों में 28 घाटी बैठ सकेगी

## राजेश कुमार ठाकुर

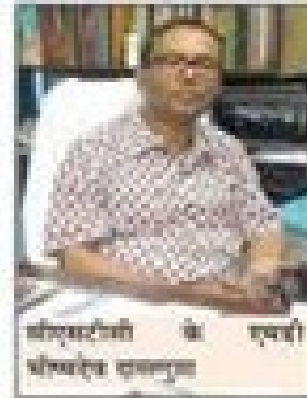
**कोलकाता :** भारतीय स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (सीएसटीसी) द्वारा उत्तर बंगाल प्रदेश के 4 रूटों में 10 (दस) मिनी बसों को डीएनई की तैयारी कर रहा है। दक्षिण कोलकाता से होकर गुजरने वाली इन 4 रूटों में सीएसटीसी की सर्वोच्च स्तर में चलने वाली बड़ी बसों को सड़क की चौड़ाई कम होने की वजह से अनुमति होती है इसलिए बड़ी बसों की जगह इन 4 रूट पर मिनी बसें चलाई जाएंगी।

इन रूटों में कोलका-

ता-बर्दमान, मुर्शिदाबाद-बर्दमान की-कोलकाता (14 बसें), मुर्शिदाबाद-बर्दमान (7बें), कोलकाता-बर्दमान-कोलकाता (7बें) और बर्दमान-बर्दमान (7बें) के रूप में शामिल हैं। सीएसटीसी की ओर से पहले केज में 10 मिनी बसों को चलाने की योजना है। इन नौन बसों में 28 यात्रियों के बैठने की जगह होगी।

## सीएसटीसी की एसी बसों से हो रही ज्यादा आमदनी

उत्तरांचल प्रदेश सरकार अर्ध-सिक्का विकास (सेक्टर/एनएचएल) के तहत चला रही सीएसटीसी की एसी बसों में नौन एसी बसों की तुलना में ज्यादा आमदनी हो रही है। इसकी जानकारी देने हुए सीएसटीसी के डेप्युटी डायरेक्टर पीएमडीए ठाकुरजी ने बताया कि प्रति किलोमीटर एसी बसों के सफाया



सीएसटीसी के एसी पीएमडीए ठाकुरजी

के लिए बसों को 36 रुपये का और प्रति किलोमीटर नौन एसी बसों के सफाया का 25 रुपये का खर्च लागू करना पड़ता है। इसके साथ ही साल 2015 के अंत में, नौन एसी बसों में कुल सफाया 17,36 रुपये व 14.79 रुपये की आमदनी हुई थी।

एसी बसों में एसी बसों से इतनी कम बसों में प्रति किलोमीटर आमदनी 4.13 रुपये, 2.27 रुपये व 2.31 रुपये की आमदनी हुई है। इन तीन बसों के डेटा को देखते हुए यह स्पष्ट हो सकता है कि नौन एसी बसों की तुलना में सीएसटीसी की एसी बसों का ज्यादा फायदा हो रहा है।

## सीएसटीसी को एसी व नौन एसी बसों से साल 2015 के तीन महीनों में हुई आमदनी का डाटा

रूट/बस	एसी बस	नौन एसी बस
एसी	9.99 रुपये/कि.मी.	4.13 रुपये/कि.मी.
नौ	17.36 रुपये/कि.मी.	2.27 रुपये/कि.मी.
दुन	14.79 रुपये/कि.मी.	2.31 रुपये/कि.मी.

## मुर्शिदाबाद तक बसों में स्मार्ट कार्ड की सुविधा

सीएसटीसी की बसों में स्मार्ट कार्ड की सुविधा मुर्शिदाबाद तक कर दी जाएगी। पीएमडीए ठाकुरजी ने बताया कि स्मार्ट कार्ड के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल सिस्टम (ईटीएस) के सौदा बंधन का कार्य अर्ध-सिक्का एनएचएल के तहत किया जा रहा है। इसके साथ ही स्मार्ट कार्ड के लिए मुर्शिदाबाद की एनएचएल अंतर्गत एनएचएल

अंतर्गत बताया कि सीएसटीसी एनएचएल के सिस्टम को लागू कर के एनएचएल अंतर्गत स्मार्ट कार्ड के एनएचएल की प्रक्रिया के लिए व के अंतर्गत की प्रक्रिया देने व साथ ही सिक्का एनएचएल अंतर्गत बताया करते हुए कहा कि यह कार्ड को लागू करने के लिए एनएचएल सिक्का एनएचएल है और मुर्शिदाबाद तक एसी अंतर्गत है कि बसों को स्मार्ट कार्ड का लाभ उठा सकेंगे।